

डॉ एम. एन. कृष्णमणि

Dr. M. N. Krishnamani



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ एम. एन. कृष्णमणि

डॉ. एम. एन. कृष्णामणि, वरिष्ठ अधिवक्ता, भारत के उच्चतम न्यायालय के एक प्रख्यात अधिवक्ता हैं।

2. आपका जन्म 26 अप्रैल, 1948 को हुआ था। आपने प्रेजिडेंसी कॉलेज, मद्रास से भू–विज्ञान में बीएससी की और उसके पश्चात मद्रास लॉ कॉलेज, मद्रास से कानून की डिग्री प्राप्त की। आपने 1971 में मद्रास में अधिवक्ता के तौर पर अपना नामांकन कराया। वर्ष 1980–81 में आपने भारत के उच्चतम न्यायालय में अपनी प्रैक्टिस शुरू की। आपने विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों में उच्चतम न्यायालय में पैरवी की है। आपने भारत संघ, विभिन्न राज्य सरकारों, संवैधानिक प्राधिकरणों तथा राष्ट्रीयकृत बैंकों के लिए उच्चतम न्यायालय के समक्ष वकालत की है। आपने राजीव गांधी हत्याकांड मामले में जस्टिस वर्मा आयोग तथा जस्टिस जैन आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखा है। आपने लिट्टे पर प्रतिबंध के संबंध में तमिलनाडु सरकार के लिए जस्टिस नाग आयोग तथा जस्टिस देवेन्द्र गुप्ता आयोग के समक्ष सरकार का पक्ष रखा हैं। 43 वर्ष के युवा अधिवक्ता के तौर पर इन्हें 24 वर्ष पूर्व वरिष्ठ अधिवक्ता के तौर पर पदनामित किया गया।

3. आप विभिन्न गरिमामय पदों पर सुशोभित रहें हैं जिनमें उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के तौर पर चार कार्यकाल (जो कार्यकाल के लिए अधिकतम अनुमत्य सीमा है), उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के तौर पर चार कार्यकाल, दिल्ली तमिल संघ, जो दिल्ली में लगभग 10 लाख तमिलों का प्रतिनिधित्व करता है, के तीन कार्यकाल के लिए अध्यक्ष के पदों पर रहना शामिल है। आयोजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एक मानद विश्वविद्यालय) में स्नातकोत्तर छात्रों की कक्षा लेने के लिए विजिटिंग फैकल्टी के रूप में कार्य किया है। आप राष्ट्रीय लॉ स्कूल युनिवर्सिटी, बेंगलूरू तथा राष्ट्रीय लॉ स्कूल युनिवर्सिटी, भोपाल की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य रहे हैं। आप दिल्ली तमिल शिक्षा संघ, जो देश की राजधानी में सात विद्यालय चला रहा है और जिनमें से प्रत्येक में 1000 से अधिक छात्र है, के अध्यक्ष भी रहे हैं।

4. आप वर्तमान में, विभिन्न संगठनों के साथ विभिन्न हैसियतों के रूप में जुड़े हुए हैं यथा अध्यक्ष, अखिल भारतीय वरिष्ठ अधिवक्ता फोरम– जो भारत का बार एसोसिएशन, नई दिल्ली की एक इकाई हैय प्रबंधन समिति सदस्य, श्री सत्यसांई अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्लीय निदेशक, भारत हेरिटेज फाउंडेशनय शैक्षणिक परिषद के सदस्य, बेंगलूरू लॉ कॉलेज युनिवर्सिटी बेंगलूरूय बेनेयान ट्री स्कूल, नई दिल्ली की प्रबंधन समिति के सदस्यय लेडी इर्विन स्कूल, नई दिल्ली की गवर्निंग बॉडी के सदस्य, सर्च–ए ग्रुप ऑफ इंटलेक्चुअल्स एंड ट्रुथ सीकर्स, नई दिल्ली के अध्यक्ष। आप तमिल संगम के अखिल भारतीय फेडरेशन के अध्यक्ष हैं जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों के तमिल संगम सदस्य हैं और साथ ही साथ आप दिल्ली स्थित साहित्य संगठन मुत्थामिझ पेरावाई के भी अध्यक्ष हैं।

5. आपने सोलह से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। आप 45 गीत लिखने के श्रेय के साथ एक अच्छे कवि भी हैं। आपने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने विचार रखे हैं एवं प्रबंध पढ़े हैं तथा अग्रणी अखबारों, साप्ताहिक एवं जर्नल में विशेषतरू कानून, आध्यात्म, विधि शिक्षा तथा समाजशास्त्र पर लेख (लगभग एक सौ अस्सी) भी लिखे हैं। आपकी पुस्तकों में से दो पुस्तकें मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के माध्यम से भारत सरकार द्वारा प्रकाशित की गई।

6. आप विभिन्न पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त कर चुके हैं जिनमें वर्ष 1998 में सिविल कानून में उत्कृष्टता हेतु 'नेशनल लॉ डे अवार्ड', वर्ष 2005 में सेटंनारिएन ट्रस्ट द्वारा 'एचएच परमाचार्याज़ सेवा रत्न अवार्ड', वर्ष 2005 में 'सेक्युलर इंडिया हार्मनी अवार्ड', वर्ष 2005 में गणेश नाट्यालय एवं गायत्री ललित कला सोसाइटी द्वारा 'श्रेष्ठ कला प्रचारक अवार्ड' वर्ष 2015 में कैपिटल फाउंडेशन सोसाएटी, नई दिल्ली द्वारा संवैधानिक कानून तथा सिविल कानून में उनकी उपलब्धियों के लिए 'जस्टिस वी आर कृष्णा अय्यर नेशनल अवार्ड' शामिल हैं। वर्ष 2012 में कानून के क्षेत्र में आपके योगदान को मान्यता देते हुए उत्तरी उड़ीसा विश्वविद्यालय, बारीपाडा, उड़ीसा ने आपको डॉक्टर–ऑफ–लॉ (ऑनरिस कौजा) की डिग्री प्रदान की है।

Dr. M. N. Krishnamani

Dr. M. N. Krishnamani, Senior Advocate, Supreme Court of India is a renowned lawyer.

2. Born on 26th April 1948, Dr. Krishnamani did B.Sc in Geology from the Presidency College, Madras and then Law Degree from Madras Law College, Madras. He was enrolled as a lawyer in 1971 in Madras. In 1980-81 he shifted his practice to the Supreme Court. He has appeared in several important cases in the Supreme Court of India. He has appeared for Union of India, different State Governments, Statutory Authorities and Nationalized Banks before the Supreme Court of India. He appeared before Justice Verma Commission and Justice Jain Commission in the Rajiv Gandhi's assassination case. He appeared for Tamil Nadu Govt. before Justice Nag Commission and Justice Devendra Gupta Commission in connection with the ban on LTTE. He was designated as Senior Advocate as a young lawyer of 43 years over 24 years back.

3. Dr. Krishnamani held several prestigious positions such as President of the Supreme Court Bar Association for four terms (which is the maximum permissibly cap of terms),Vice President of the Supreme Court Bar Association for four terms, President of Delhi Tamil Sangam, representing nearly 10 lacs Tamils in Delhi, for three terms. He was a Visiting Faculty in the School of Planning and Architecture (a Deemed university) taking classes for Post Graduate students. He was a member of the Governing Council of National Law School University, Bangalore and Member of Governing Council of National Law School, University, Bhopal. He was the President of Delhi Tamil Education Association running 7 schools in the capital of India, with over 1000 students in each.

4. Dr. Krishnamani is presently associated with different organisations in various capacities such as the Chairman, All India Senior Advocated Forum- a unit of Bar Association of India, New Delhi; Management Committee member, Sri Satya Sai International Centre, New Delhi; Director, Bharat Heritage Foundation; Member of Academic Council, Bangalore Law School University, Bangalore; Member of the Management Committee of Banyan Tree School, New Delhi; Member of Governing Body of Lady Irwin Schools, New Delhi; President of SEARCH, a group of intellectuals and Seekers of Truth, New Delhi. He is the Chairman, All India Federation of Tamil Sangams in which all Tamil Sangams in different states in India are members and also the President of Muththamizh Peravai, a literary organization in Delhi.

5. Dr. Krishnamani has authored over sixteen books. He is also a poet with 45 songs to his credit. He has delivered talks and submitted papers in National and International Seminars, and has written many articles (about one hundred eighty) on different subjects in leading News papers, Weeklies and Journals particularly on law, spirituality, education law and sociology. Two of his books were published by the Govt. of India through Rashtriya Sanskrit Sansthan under Ministry of Human Resources Development.

6. Dr. Krishnamani has received several awards and honours including "National Law Day Award" for Excellence in Civil Law in 1998, "H.H. Paramacharya's Seva-Ratna Award" by the Centenarian Trust in 2005, "Secular India Harmony Award" in 2005, "Sreshta Kala Pracharak Award" by Ganesh Natyalaya and Gayatri Fine Arts Society in 2009,"Justice V.R. Krishna Iyer National Award" for his achievements in Constitutional Law and Civil Law in 2015 by Capital Foundation Society, New Delhi. In 2012 recognising his contribution in the field of Law, the North Orissa University, Baripada, Orissa, conferred the degree of Doctor of Laws (Honoris Causa) on him.